

मन मंदिर में गूँज रहा है जयकारा राम का | By Krishna Gopak Vashishth |

हरे राम हरे राम हरे राम हरे राम
हरे राम हरे राम हरे राम हरे राम

मन मंदिर में गूँज रहा है
आज तेरा जयकारा राम

हरे राम हरे राम हरे राम हरे राम
हरे राम हरे राम हरे राम हरे राम

धर्ती अम्बर गूँजे भगवान
पर्वत सागर गूँजे हैं
गूँजी है प्रभु सभी दिशाएँ
लोक चराचर गूँजे हैं
तेरी धुन पर सब कुछ गूँजे
गूँज रहा है विश्व तमाम
मन मंदिर में गूँज रहा है
आज तेरा जयकारा राम

हरे राम हरे राम हरे राम हरे राम
हरे राम हरे राम हरे राम हरे राम

कण कण में है राम की मस्ती
रोम रोम हरशायी है
नाचो नाचो रे मन मेरे
साजन धन बरसाया है
लूट लो जितना लूटा जाए
अपना कौड़ी न लगे दाम
मन मंदिर में गूँज रहा है
आज तेरा जयकारा राम

हरे राम हरे राम हरे राम हरे राम
हरे राम हरे राम हरे राम हरे राम

जा पर तुम रिज़हो मोरे सतगुरु
वहाँ पर सब कोई रिज़हे
नित नित ऐ निरदोष निदान हो
ऐसा सा धन कीजिए
पल दो पल का संगम चाहे
सन्मुख बैठूँ आठों याम
मन मंदिर में गूँज रहा है
आज तेरा जयकारा राम

हरे राम हरे राम हरे राम हरे राम
हरे राम हरे राम हरे राम हरे राम

मन मंदिर में गूँज रहा है
आज तेरा जयकारा राम

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%a8-%e0%a4%ae%e0%a4%82%e0%a4%a6%e0%a4%bf%e0%a4%b0-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%97%e0%a5%82%e0%a4%82%e0%a4%9c-%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%9c%e0%a4%af/>